UP Board Solutions for Class 8 Hindi Chapter 5 सहसा विदधीत न क्रियाम् (अनिवार्य संस्कृत)

अभ्यास

प्रश्न 1.
उच्चारण करें
नोट- विद्यार्थी स्वयं उच्चारण करें।

प्रश्न 2.
एक पद में उत्तर दें
(क) भारवेः महाकाव्यस्य किं नाम?
उत्तर : किरातार्जुनीय।
(ख) भारविं वचसा कः न प्राशंसत्?
उत्तर : भारवैः पिता।
(ग) से कविसम्मेलनेषु किम् अकरोत्?
उत्तर : काव्यम् अश्रावयत्।
(घ) भारविः पित्रे कथं रुष्टः?
उत्तर : अपमानेन।
(ङ) तस्यान्तःकरणे का उत्पन्ना?
उत्तर : महती ग्लानि।

प्रश्न 3.
नीचे दिए गए क्रियापदों के लकार, पुरुष एवं वचन लिखें

	लकार	पुरुष	वचन
आसीत्	लङ्	प्रथम	एकवचन
अपठत्	लङ्	प्रथम	एकवचन
अर्जयेत्	लङ्	प्रथम	एकवचन

प्रश्न 4.
अधोलिखित पदों में लगे उपसर्गों को लिखें
उत्तर :

पद	**उपसर्गों**
परिश्रमेण	परिः
विलक्षणा	विः
प्रतिनिवृन्तः	प्रतिः
नियोजितवान	निः

प्रश्न 5.
मजूषा से उचित पदों को चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति करें (पूर्ति करके)
(क) महाकविः भारविः राजकविः
आसीत्।

स सर्वदा विद्वत्सभासु सोत्साहम्
उपतिष्ठत्।

स्वविषये मातापित्रोः वार्तालापं
अशृणोत्।

अपमानेन भारविः पित्रेः
अत्यधिकं रुष्टः।

प्रश्न 6.
संस्कृत में अनुवाद करेंप्रश्न
(क) वह नियम से विद्यालय में जाता है।
अनुवाद : सः नियमेन् विद्यालयं गच्छति।।

मैं अपने अध्यापक की प्रशंसा करता हूँ।
अनुवाद : अहं स्वः अध्यापकं प्रशंसाम् करिष्यामि।

तुम घर के बाहर खड़े रहो।
अनुवाद : त्वं गृहात् बहिः स्थितः भवसि।

करीम कक्षा में प्रथम है।
अनुवाद : करीम: कक्षायाम् प्रथमं अस्ति।

प्रश्न 7.
जिसके प्रति कोप किया जाता है उसमें चतुर्थी विभक्ति का प्रयोग होता है, जैसे-पित्रे रुष्टः। कोष्ठक में दिए शब्दों में विभक्ति लगाकर रिक्त स्थान भरें (रिक्त स्थान भरकर)
(क) त्वं राक्षसे क्रुध्यसि।
(ख) अहं हरयै नैव कुप्यामि।

https://www.evidyarthi.in/